प्रतिदर्श प्रश्न पत्र 2021-22 विषय - हिंदी (आधार)
(विषय कोड - 302) कक्षा - बारहवीं

निर्धारित समय : 90 मिनट **अधिकतम अंक : 40 अंक**

सामान्य निर्देश :-

- इस प्रश्न पत्र में तीन खंड हैं।
- खंड 'अ ' में तीस प्रश्नों में से केवल पंद्रह प्रश्नों का ही उत्तर देना है।
- खंड 'ब ' में छह प्रश्नों में से केवल पांच प्रश्नों का ही उत्तर देना है।
- खंड 'स ' में बाईस प्रश्नों में से केवल बीस प्रश्नों का ही उत्तर देना है।
- निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए
- इस प्रश्न पत्र में वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं।
- प्रत्येक प्रश्न के उत्तर में चार विकल्प दिए गए हैं।
- विकल्पों में से सबसे उचित का चयन सावधानीपूर्वक कीजिए।

प्रश्न संख्या	खंड अ अपठित बोध	अंक 15
	अपठित गद्यांश पर आधारित प्रश्न	10
प्रश्न	**निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए :-**	10
	भारत में जन-आंदोलनों का लंबा इतिहास रहा है। पिछले दो-तीन दशकों में शहरी एवं शिक्षित मध्यवर्गीय लोगों के बीच इस मसले पर सचेत समझदारी विकसित हुई है। विकास के आधुनिक संस्करण ने पारिस्थितिकीय संतुलन एवं विकास प्राथमिकताओं के मध्य द्वंद्व की स्थिति खड़ी कर दी है। इसने कई जन आंदोलनों को जन्म दिया है। 70 का दशक सामाजिक आंदोलनों के लिहाज से बहुत महत्वपूर्ण है। सामाजिक आंदोलनों के संदर्भ में इसे पैराडाइम शिफ्ट की तरह देखा जाता है। इसी दशक में महाआख्यानों के बरक्स छोटे मुद्दों ने वैश्विक स्तर पर अपनी छाप छोड़ी। चाहे वह महिला आंदोलन हो या फिर मानवाधिकार आंदोलन या फिर मध्य वर्ग के आंदोलन हो या शांति आंदोलन। पर्यावरणीय आंदोलन इसी क्रम में एक महत्वपूर्ण कड़ी समझी जाती है। यह आंदोलन सन 1973 में एक सुबह शुरू हुआ जब चमोली जिले के सुदूर पहाड़ी कस्बे गोपेश्वर में इलाहाबाद की खेल का सामान बनाने वाली फैक्ट्री के लोग देवदार के दस वृक्ष काटने के उद्देश्य से पहुँचे। आरंभ में ग्रामीणों ने अनुरोध किया कि वे वृक्ष ना काटें परंतु जब ठेकेदार नहीं माने तब ग्रामीणों ने चिन्हित वृक्षों का घेराव किया और उससे चिपक गए। पराजित ठेकेदारों को विवश होकर वापस जाना पड़ा। कुछ सप्ताह बाद ठेकेदार पुनः वापस आए और उन्होंने फिर पेड़ काटने की कोशिश की। 50 वर्षीय गौरा देवी के नेतृत्व में स्त्रियों ने इसका प्रतिरोध करते हुए जंगल जाने वाले मार्ग को अवरुद्ध कर दिया। उनका कहना था कि 'यह जंगल हमारा मायका है और हम पूरी ताकत से इसे बचाएँगी'। इस आंदोलन की अग्रिम पंक्ति की सैनिक महिलाएँ थीं जिनका कार्यक्षेत्र घर के अंदर चौके और चूल्हे तक सीमित माना जाता है। भारत में जंगल को लेकर दो तरह के दृष्टिकोण विद्यमान हैं। पहला है जीवनोत्पादक तथा दूसरा है जीवन विनाशक जिसे दूसरे शब्दों में 'औद्योगिक भौतिकवादी दृष्टिकोण' भी कहा जाता है। जीवनोत्पादक दृष्टिकोण जंगल के संसाधनों की निरंतरता तथा उनमें नवीन संभावनाओं को स्वीकार करता है ताकि भोजन तथा जल संसाधनों का कभी ना खत्म होने वाला भंडार बना	

	रहे। जीवन विनाशक दृष्टिकोण कारखानों तथा बाजार से बँधा हुआ है जो जंगल के संसाधनों का अधिकाधिक दोहन अपने व्यावसायिक लाभ के लिए करना चाहता है। आंदोलन के आरंभिक दिनों बाहरी ठेकेदारों को भगाने में स्थानीय ठेकेदारों ने भी इनका भरपूर सहयोग किया क्योंकि इनके व्यावसायिक हित भी बाधित हो रहे थे, परंतु उनके जाने के बाद एक सरकारी निकाय (द फॉरेस्ट डेवेलपमेंट कारपोरेशन) ने फिर वहाँ के स्थानीय ठेकेदारों की सहायता से लकड़ी कटाई का कार्य शुरू किया। स्त्रियों ने यह देखते हुए अपने आंदोलन को आगे बढ़ाते हुए जंगल के दोहन के विरुद्ध अपना संघर्ष जारी रखा। वन विभाग के कई अधिकारियों ने स्त्रियों को यह समझाने का भी प्रयास किया कि जंगल लकड़ी का मुनाफा देते है। इसलिए उन्हें वे काट रहे हैं और जो लकड़ियाँ काटी जा रही है उनका जंगल के लिए कोई उपयोग नहीं है। वे जर्जर और ठूँठ है। महिलाओं ने उन्हें समझाया कि दरअसल यह जंगल के नवीनीकरण की प्रक्रिया है जिसमें पुराने तथा जर्जर हुए पेड़ नए पेड़ों के लिए जैविक खाद का कार्य करते हैं। जंगल के संबंध में महिलाओं की समझ ने चिपको आंदोलन को एक नई दिशा दी।	
❖	**निम्नलिखित *10* प्रश्नों के उत्तर के लिए सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए :-**	**10x1 =10**
1	जन आंदोलन के प्रति शहरी मध्यमवर्ग के नज़रिए के बारे में लेखक का क्या अभिमत है? 1. यह वर्ग जन आंदोलन के प्रति उदासीन होता है। 2. यह वर्ग जन आंदोलन का विरोध करता है। 3. इस वर्ग में जन आंदोलन को लेकर जागरूकता बढ़ी है। 4. जन आंदोलन शहरी मध्यम वर्ग से असंबंधित होते हैं।	1
2	सत्तर के दशक के सामाजिक आंदोलनों की क्या विशेषता है? 1. अंतरराष्ट्रीय सामाजिक चेतना के लिए आंदोलन 2. दुनिया का इन आंदोलनों की ओर ध्यानाकर्षण 3. सामाजिक आंदोलनों में व्याप्त आर्थिक भ्रष्टता 4. सामाजिक आंदोलनों का हिंसक रूप	1
3	पर्यावरण संबंधी जन आंदोलन के जन्म के क्या कारण हैं? 1. पारिस्थितिक संतुलन और विकास की प्राथमिकता में द्वंद्व 2. शिक्षित व कार्यकुशल युवाओं को रोज़गार के प्रयाप्त अवसरों की कमी 3. मृदा का अपरदन तथा कृषि के लिए भूमि का कम होना 4. पर्वतीय क्षेत्रों में वनों की कटाई से भूस्खलन के कारण बढ़ती जान माल की हानि	1
4	"जंगल हमारा मायका है" - से गौरा देवी का क्या आशय था? 1. गौरा देवी का पैतृक गाँव जंगल में होने से उन्हें जंगल से अटूट प्यार था । 2. जंगल से मिलने वाले संसाधनों पर गौरा देवी का गांव निर्भर था। 3. जंगल में देवी अरण्यानी का वास था तथा गौरा देवी उनकी भक्त थीं । 4. जंगल हमें माँ की तरह जीवनावश्यक स्रोत जैसे ऑक्सीजन देते हैं ।	1
5	चिपको आंदोलन किस तरह का जनआंदोलन था? 1. महिलायों द्वारा रास्ता रोककर शहरों द्वारा गाँव की लकड़ी न ले जाने के लिये आंदोलन 2. पर्यावरण संरक्षण के लिए स्थानीय आंदोलन 3. महिलाओं द्वारा रोजगार के लिए आंदोलन 4. महिला अधिकारों के संरक्षण का आंदोलन	1

6	जंगल के वृक्षों को संसाधन समझकर उनकी अंधाधुंध कटाई किस तरह के दृष्टिकोण का प्रमाण है? 1. जीवनोत्पादक दृष्टिकोण 2. औद्योगिक भौतिकवादी दृष्टिकोण 3. औद्योगिक विकास का भौतिकशास्त्रीय दृष्टिकोण 4. पर्यावरण संसाधन संरक्षण जीवनोत्पादक दृष्टिकोण	1
7	चिपको आंदोलन के दौरान आंदोलनकारी महिलाओं ने जर्जर और ठूंठ लकड़ियों के क्या लाभ बताए? 1. इनकी जंगल के भूमि कटाव को रोकने में अहम भूमिका है। 2. इनके कारण जैविक पारिस्थितिकी संतुलन कायम रहता है । 3. ये पौधों की अगली पीढ़ी के लिये भूमि की उर्वरता बढाती हैं । 4. ये जंगल के छोटे जीवों को आवास प्रदान कर उन्हें सुरक्षा देती हैं ।	1
8	चिपको आंदोलन के दौरान स्थानीय ठेकेदारों का क्या उद्देश्य था ? 1. बाहरी ठेकेदारों को बाहर खदेड़ना था। 2. वनों के संरक्षण को बढ़ावा देना था। 3. ग्रामीण महिलाओं को काम काज के दूसरे अवसर प्रदान करना । 4. आंदोलन को अव्यवस्थित करना था।	1
9	गंभीर मुद्दों पर महिलाओं की भूमिका को यह गद्यांश किस प्रकार रेखांकित करता है ? 1. घर और बाहर दोनों में महिलाओं की स्थिति एक - समान है। 2. ग्रामीण महिलाएं यदि निश्चय कर लें तो जीत उनकी ही होती है । 3. घर तथा खेती कार्य के कारण महिलायें विकास कार्यों में भाग नहीं ले पाती हैं । 4. समझ शिक्षा के परे परिवेश और संस्कृति में भी निहित होती है।	
10	लेखक का "जीवनोत्पादक दृष्टिकोण" से क्या आशय है ? 1. प्राकृतिक संसाधनों की उपलब्धि और मांग में सामंजस्य । 2. यह प्राकृतिक संसाधनों के दोहन का रेखांकन । 3. आवश्यता से अधिक उत्पादन कर उसे खपाने के लिये बाज़ार बनाना । 4. यह दृष्टिकोण व्यावसायिक उन्नति की ओर उन्मुख है।	
	अथवा **(अपठित गद्यांश पर आधारित प्रश्न)**	
प्रश्न	**निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए :-**	**10**
	'विकास' का सवाल आज विमर्श के केंद्र में है। आधुनिकता के प्रतिफल के रूप में प्रगट हुई 'विकास' की अवधारणा के बारे में लोगों का विश्वास था कि विकास की यह अद्भुत घटना आधुनिक मनुष्य को अभाव, समाज और प्रकृति की दासता एवं जीवन को विकृत करने वाली शक्तियों से मुक्ति दिला देगी। लेकिन आधुनिक विकास के जो स्वप्न देखे थे उसके अपेक्षित परिणाम सामने नहीं आए। इसके फलस्वरूप लोगों का मन वैकल्पिक उपायों के बारे में सोचने लगा है। इस क्रम में हमें बरबस कुमारप्पा के विचार याद याद आते है जिन्होंने इस बात को मजबूती के साथ रखा है कि विकास की जो गांधीवादी अवधारणा है वही सार्थक एवं टिकाऊ है। जे.सी. कुमारप्पा का आर्थिक दर्शन व्यापक और मौलिक है। कुमारप्पा का आर्थिक चिंतन गांधीवादी अहिंसा पद्धति पर आधारित होने के कारण व्यक्ति की स्वतंत्रता, सृजनशीलता तथा दैनिक काम से उसके स्वस्थ संबंध को महत्वपूर्ण मानता है। कुमारप्पा के अनुसार किसी के दैनिक कामों में ही उसके सभी आदर्श, सिद्धांत और धर्म प्रकट हो जाते है। यदि उचित रीति पर काम किया जाए तो वही काम मनुष्य के व्यक्तित्व, के	

	विकास का रूप बन जाता है। कुमारप्पा बढ़ते हुए श्रम विभाजन के सदंर्भ में वे लिखते है - "चीजों के बनाने की पद्धति में केंद्रीकरण के अंतर्गत जो श्रम-विभाजन होता है, जो कि स्टैंडर्ड माल तैयार करने के लिए आवश्यक है, उसमें व्यक्तिगत कारीगरी दिखाने का कोई अवसर नहीं मिलता। केंद्रित उद्योग में काम करने वाला उस बड़ी मशीन का एक पुर्जा भर बनकर रह जाता है। उसकी स्वतंत्रता और उसका व्यक्तित्व समाप्त हो जाता है।" कुमारप्पा के ये विचार आज के स्वयंचलित मशीन आधारित महाकाय उद्योगों में कार्यरत मजदूरों के जीवन का प्रत्यक्ष अध्ययन करने पर उन विचारों की सत्यता को सिद्ध करते हैं। आज इस बात को लेकर कोई दो राय नहीं है कि केंद्रीय उत्पादन व्यवस्था, अपने दुर्गुणों से छुटकारा नहीं पा सकती। वह और भयावह तब बन जाती है जब वह "आवश्यकता के अनुसार उत्पादन" के बजाय "बाजार के लिए उत्पादन" पर ध्यान केंद्रित करती है। बेतहाशा उत्पादन बाजार की तलाश करने के लिए विवश होता है तथा उसका अंत गलाकाट परस्पर होड़ तथा युद्ध, उपनिवेशवाद इत्यादि में होता है। कुमारप्पा उपरोक्त तथ्यों को भलीभाँति परख चुके थे तथा स्थायी स्रोतों के दोहन पर ध्यान देने तथा उन्हें विकसित करने पर जोर देते रहे। कुमारप्पा 'विकास' की जिस अवधारणा की बात करते हैं, उसके केंद्र में प्रकृति एवं मनुष्य है। मनुष्य की सुप्त शक्तियों के विकास के लिए अनुकूल वातावरण निर्माण करना ही सच्चे विकास का उद्देश्य है।	
	निम्नलिखित *10* प्रश्नों के उत्तर के लिए सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए :-	**10**
11	अवतरण के अनुसार 'विकास' किसका प्रतिफल है? 1. आनन्दमयता 2. वित्तीय प्रचुरता 3. अर्वाचीनता 4. शैक्षिकता	1
12	विकास के फलस्वरूप क्या परिवर्तन हुआ? 1. मनुष्य के अभावों का विस्तार 2. मनुष्य के अभावों का अंत 3. मनुष्य की दासता से मुक्ति 4. सामजिक समस्याओं का अंत	1
13	विकास के वैकल्पिक उपायों के बारे में चिंतन क्यों आरंभ हुआ? 1. कोविड महामारी फैलने के कारण 2. पर्यावरण में आये बदलावों के कारण 3. प्रत्याशित फल न मिलने के कारण 4. विश्व राजनीति में बदलाव के कारण	1
14	अवतरण के अनुसार विकास की प्रक्रिया कैसी होनी चाहिए? 1. जो सामाजिक असमानता को समाप्त कर दे 2. जो विज्ञान की मदद से जीवन दीर्घायु कर सके 3. जो सार्थक तथा दूरगामी परिणामों पर केंद्रित हो 4. जिसमें लक्ष्य की प्राप्ति सर्वोपरि हो	1
15	अवतरण के अनुसार केंद्रीकृत श्रम प्रणाली से क्या होता है ? 1. उत्पादों की गुणवत्ता में वांछनीय सुधार 2. व्यक्तिगत सृजनात्मकता का ह्रास	1

	3. प्रति व्यक्ति आर्थिक आय में घाटा 4. प्रति व्यक्ति रोज़गार अवसरों में कमी	
16	कुमारप्पा के अनुसार व्यक्ति के दैनिक कार्यों के विषय में सत्य कथन कौन सा है? 1. यह जीवन यापन हेतु आवश्यकता पूर्ति के लिए होते हैं 2. यह उसकी विचारधारा पर आधारित होते हैं 3. यह उसकी रूचि एवं क्षमता के अनुसार होते हैं 4. यह सामाजिक बंधनों के दायरे में बंधे होते हैं	1
17	कुमारप्पा निम्नलिखित में से किस विचारधारा के समर्थक प्रतीत होते है? 1. तैयार वस्तुओं एवं उत्पादों का आयात 2. नये उद्यमों से औद्योगिक आत्मनिर्भरता 3. अर्थव्यवस्था का उदारीकरण 4. उद्योगों का वैश्वीकरण एवं निजीकरण	1
18	केंद्रीय उत्पादन व्यवस्था के विषय में क्या असत्य है? 1. कम समय में अधिक मात्रा में गुणवत्तापूर्ण माल का उत्पादन 2. आवश्यकता से अधिक उत्पादन 3. आवश्यकतानुसार उत्पादन 4. कम निवेश में अधिक निर्गत	1
19	अर्थव्यवस्था में प्रतियोगिता का क्या परिणाम होगा? 1. नये गत्यात्मक बाज़ारों पर अधिकार हेतु पारस्परिक टकराव 2. उपभोक्ताओं को सस्ती दरों पर अच्छी वस्तुओं की उपलब्धि 3. विकासशील देशों में सस्ते श्रम आधारित उद्योगों का विकास 4. विकासशील देशों में कर चोरी की घटनाओं में बढ़ोतरी	1
20	कुमारप्पा के अनुसार शाश्वत विकास का लक्ष्य क्या है? 1. देशों की प्रति व्यक्ति आय के पूर्ण स्तर को बढ़ाना 2. जीवन स्तर के भौतिक मानकों में सुधार करना 3. मनुष्य की संभावित क्षमताओं का विकास 4. सभी मनुष्यों में आर्थिक समानता पैदा करना	1
प्रश्न	**अपठित पद्यांश पर आधारित प्रश्न**	**अंक 5**
प्रश्न	**निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए :-**	**5**
	शांति नहीं तब तक, जब तक सुख - भाग न नर का सम हो, **नहीं किसी को बहुत अधिक हो,** नहीं किसी को कम हो। **ऐसी शांति राज्य करती है** तन पर नहीं, हृदय पर, **नर के ऊँचे विश्वासों पर** श्रद्धा, भक्ति, प्रणय पर। **न्याय शांति का प्रथम न्यास है** जब तक न्याय न आता। **जैसा भी हो महल शांति का,** सुदृढ़ नहीं रह पाता।	

	कृत्रिम शांति शशंक आप, अपने से ही डरती है, **खड़ग छोड़ विश्वास किसी का,** कभी नहीं करती है। **और जिन्हें इस शांति - व्यवस्था** में सुख - भोग सुलभ है, **उनके लिए शांति ही जीवन,** सार, सिद्धि दुर्लभ है।	
❖	**निम्नलिखित *05* प्रश्नों के उत्तर के लिए सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए :-**	**5**
21	सामाजिक जीवन में अशांति का क्या कारण है ? 1. आनंद का अभाव 2. समता का अभाव 3. वास्तविकता का अभाव 4. प्रीति का अभाव	1
22	कृत्रिम शांति से क्या हानि संभव है ? 1. न्याय मिलता है, शांति नहीं 2. विद्वेष विस्तार पाता है 3. वास्तविक संबंधों के स्थान पर कृत्रिम भावों का प्रसार 4. प्राकृतिक के बजाय कृत्रिम संसाधनों की बहुलता	1
23	काव्यांश का संदेश क्या हो सकता है ? 1. समता व न्याय का समाज में पोषण करना चाहिए 2. कृत्रिम शांति और समान अवसर प्रदान करना चाहिए 3. योग्यता के आधार पर ही जीवन संसाधनों का बंटवारा होना चाहिए 4. कृत्रिम विज्ञान की सहायता से प्राकृतिक शांति स्थापित करनी चाहिए	1
24	कवि किस प्रकार की शांति को महत्वपूर्ण मानता है ? 1. न्याय और आर्थिक समानता पर आधारित 2. कृत्रिम शांति और आर्थिक समानता पर आधारित 3. कृत्रिम शांति से वैश्विक संघर्षों के समाधान पर आधारित 4. श्रद्धा, भक्ति, प्रणय व त्याग आधारित	1
25	देश - समाज में शांति - स्थापना का प्रथम न्यास न्याय को क्यों बताया गया है ? 1. केवल न्याय और व्यवस्था द्वारा ही समाज में शांति संभव है 2. समानता का व्यवहार न्याय के पश्चात होता है 3. कृत्रिम न्याय भी न्याय को सुदृढ़ करता है 4. न्यायालय अन्याय के ख़िलाफ़ याचिका का प्रथम सोपान हैं	1
	***अथवा* (अपठित पद्यांश पर आधारित प्रश्न)**	
प्रश्न	**निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए :-**	**5**
	प्रभु ने तुमको कर दान किए, **सब वांछित वस्तु विधान किए।** तुम प्राप्त करो उनको न अहो, **फिर है किसका वह दोष कहो ?** समझो न अलभ्य किसी धन को, **नर हो न निराश करो मन को।**	

	किस गौरव के तुम योग्य नहीं, **कब कौन तुम्हें सुख भोग्य नहीं ?** जन हो तुम भी जगदीश्वर के, **सब है जिसके अपने घर के।** फिर दुर्लभ क्या है उसके मन को ? **नर हो, न निराश करो मन को।** करके विधि - वाद न खेद करो, **निज लक्ष्य निरंतर भेद करो।** बनता बस उद्धम ही विधि है, **मिलती जिससे सुख की निधि है।** समझो धिक् निष्क्रिय जीवन को, **नर हो, न निराश करो मन को।**	
❖	**निम्नलिखित *05* प्रश्नों के उत्तर के लिए सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए :-**	**5x1=5**
26	वांछित वस्तुओं को प्राप्त न कर सकने में किसका दोष है ? 1. अकर्मण्य मनुष्यों का 2. समाज में व्याप्त असमानता का 3. निराश नर नारियों का 4. निराशाजनक परिस्थितियों का	1
27	विधि - वाद का खेद कौन व्यक्त करते हैं ? 1. भाग्यवादी लोग 2. विधिवक्ता लोग 3. परिश्रमी लोग 4. भाग्यशाली लोग	1
28	इस काव्यांश से क्या प्रेरणा मिलती है ? 1. नर हैं, अतः निराश न हों 2. आशा के साथ जगदीश्वर पर भरोसा रखें 3. लक्ष्य है, अतः पाने का प्रयास करें 4. नियति निश्चित है, अतः प्रतीक्षा करें	1
29	इस काव्यांश से कवि के कौन - से विचारों का परिचय मिलता है ? 1. कवि अलभ्य धन अर्जित कर गौरव प्राप्ति के लिये प्रेरणा दे रहे हैं 2. कवि बता रहे हैं भगवान जी के लिये सभी जन एक समान हैं 3. कवि कर्मण्येवाधिकारस्ते का मार्ग अपना कर्म करने को कह रहे हैं 4. कवि कह रहे हैं निराशा त्याग कर नियति स्वीकार करनी चाहिये	1
30	कवि आस्तिक है, इसका पता कौन - सी पंक्ति से चलता है ? 1. समझो न अलभ्य किसी धन को, **नर हो न निराश करो मन को।** 2. करके विधि - वाद न खेद करो, **निज लक्ष्य निरंतर भेद करो।** 3. जन हो तुम भी जगदीश्वर के, **सब है जिसके अपने घर के।** 4. बनता बस उद्धम ही विधि है, **मिलती जिससे सुख की निधि है।**	1

प्रश्न	खंड 'ब ' अभिव्यक्ति और माध्यम के पाठों पर आधारित प्रश्न	5 अंक
प्रश्न	**निम्नलिखित में से किन्ही *05* प्रश्नों के उत्तर के लिए सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए :-**	**5**
31	दृश्यों का किस माध्यम में अधिक महत्व होता है? 1. समाचार पत्र 2. रेडियो 3. टेलीविज़न 4. इंटरनेट	1
32	उल्टा पिरामिड शैली में समाचार कितने भागों में बाँटा जाता है? 1. तीन 2. चार 3. पाँच 4. दो	1
33	सर्वाधिक खर्चीला जनसंचार माध्यम कौन-सा है? 1. रेडियो 2. टेलीविज़न 3. समाचार पत्र 4. इंटरनेट	1
34	समाचार संगठन में काम करने वाले नियमित वेतनभोगी पत्रकार को क्या कहते हैं? 1. फ्री लांसर 2. पूर्णकालिक 3. अंशकालिक 4. अल्पकालिक	1
35	इनमें समाचार पत्र की आवाज किसे माना जाता है? 1. फीचर 2. संपादक के नाम पत्र 3. संपादकीय 4. स्तंभ लेखन	1
36	फीचर लेखन की शैली निम्नलिखित में से किस शैली के निकट है ? 1. काव्यात्मक 2. कथात्मक 3. वक्तव्यात्मक 4. रूपात्मक	1
	खंड 'स ' पाठ्यपुस्तक व अनुपूरक पुस्तक	22
	पठित काव्यांश पर आधारित प्रश्न	अंक
प्रश्न	**निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए :-**	**5**
	जाने क्या रिश्ता है,जाने क्या नाता है **जितना भी उँड़ेलता हूँ,भर भर फिर आता है** दिल में क्या झरना है? **मीठे पानी का सोता है** भीतर वह, ऊपर तुम	

	मुसकाता चाँद ज्यों धरती पर रात-भर मुझ पर त्यों तुम्हारा ही खिलता वह चेहरा है! **सचमुच मुझे दण्ड दो कि भूलूँ मैं भूलूँ मैं** तुम्हें भूल जाने की **दक्षिण ध्रुवी अंधकार-अमावस्या** शरीर पर,चेहरे पर, अंतर में पा लूँ मैं **झेलूँ मै, उसी में नहा लूँ मैं** इसलिए कि तुमसे ही परिवेष्टित आच्छादित **रहने का रमणीय यह उजेला अब** सहा नहीं जाता है। **नहीं सहा जाता है।**	
❖	**निम्नलिखित *05* प्रश्नों के उत्तर के लिए सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए :-**	**5**
37	जाने क्या रिश्ता है,जाने क्या नाता है जितना भी उँड़ेलता हूँ,भर भर फिर आता है पंक्तियों का आशय है 1. कवि के मन में आप्लावनकारी प्यार है 2. कवि रिश्ते की नींव की सिंचाई कर रहे हैं 3. कवि सन्देश दे रहे हैं रिश्ते नातों की देखभाल करनी पड़ती है 4. रिश्ते नातों की परिभाषा बहुत कठिनतर है	1
38	कवि अपरिभाषित सत्ता से कैसे प्रभावित है? 1. आंतरिक रूप से 2. बाहरी रूप से 3. आंतरिक तथा बाहरी रूप से 4. दिल दिमाग दोनों की गहराईओं से	1
39	कवि अपरिभाषित सत्ता जिससे वे प्रभावित हैं उसे भूलना क्यों चाहते हैं ? 1. कवि कल्पना से निकल यथार्थ में आना चाहते हैं 2. कवि अबोध प्रेयसी से प्रेम करने की भूल का दंड चाहते हैं 3. कवि प्यार की नश्वरता से परिचित हो गये हैं इसलिये उसे भूलना चाहते हैं 4. कवि बाद में विरहाग्नि से बचने के लिये उसे अभी भूलना चाहते हैं	1
40	अंधकार - अमावस्या के लिए दक्षिणी - ध्रुव विशेषण का प्रयोग किया गया। इसके प्रयोग से पंक्ति में क्या बढ़ जाता है ? 1. विशेषण - विशेष का संबंध स्थापित होगा 2. अँधेरे का घनत्व बढ़ जाएगा 3. अंधकार में रहना संभव हो सकेगा 4. कवि को दंड मिल सकेगा	1
41	परिवेष्टित आच्छादित होने पर भी उजाला किस प्रकार संभव है ? 1. आच्छादित होने के बावजूद प्रभा किरणें बीच बीच में आ रही हैं 2. कवि जिससे प्रभावित है वह दीप्तिमान है 3. दक्षिण ध्रुव में हिम आच्छादन के बावजूद छह मास उजाला होता है 4. कवि को परावर्तित प्रकाश के कारण उजाले का भ्रम हो रहा है	1
प्रश्न	**पठित गद्यांश पर आधारित प्रश्न**	**अंक**
प्रश्न	**निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए :-**	**5**

	लेकिन इस बार मैंने साफ इंकार कर दिया। नहीं फेंकना है मुझे बाल्टी भर-भर कर पानी इस गंदी मेढक-मंडली पर। जब जीजी बाल्टी भर कर पानी ले गई उनके बूढ़े पाँव डगमगा रहे थे, हाथ काँप रहे थे, तब भी मैं अलग मुंह फुलाए खड़ा रहा । शाम को उन्होने लड्डू-मठरी खाने को दिए तो मैंने उन्हें हाथ से अलग खिसका दिया। मुंह फेरकर बैठ गया, जीजी से बोला भी नहीं । पहले वे भी तमतमाई , लेकिन ज्यादा देर तक उनसे गुस्सा नहीं रहा गया। पास आकार मेरा सर अपनी गोद में लेकर बोलीं,"देख भैया रूठ मत। मेरी बात सुन। यह सब अंधविश्वास नहीं है। हम इन्हें पानी नहीं देंगे तो इंद्र भगवान हमें पानी कैसे देंगे?" मैं कुछ नहीं बोला। फिर जीजी बोलीं । "तू इसे पानी की बरबादी समझता है पर यह बरबादी नहीं है। यह पानी का अर्घ्य चढ़ाते हैं, जो चीज मनुष्य पाना चाहता है उसे पहले देगा नहीं तो पाएगा कैसे?इसीलिए ऋषि- मुनियों ने दान को सबसे ऊंचा स्थान दिया है।"	
	निम्नलिखित *05* प्रश्नों के उत्तर के लिए सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए :-	**5**
42	लेखक ने मेंढक- मंडली पर पानी फेंकने से इंकार क्यों कर दिया होगा? 1. पानी बर्बाद नहीं करने के कारण 2. मेंढक- मंडली को गंदे लोगों की श्रेणी में रखने के कारण 3. पानी फेंकने को बरबादी मानने के कारण 4. लोकमान्यताओं में विश्वास नहीं होने के कारण	1
43	अपने डगमगाते पाँव पर भी जीजी बाल्टी भर कर पानी क्यों फेंक रही थी? 1. क्योंकि लेखक पानी फेंकने से इंकार कर दिया था 2. पानी फेंकना आवश्यक मानने के कारण 3. लोकमान्यता में विश्वास रखने के कारण 4. अंधविश्वास में विश्वास के कारण	1
44	लेखक जीजी से नाराज़ क्यों हो रहा था? 1. जीजी द्वारा पानी फेंकने के कारण 2. लेखक की बात नहीं मानने के कारण 3. लेखक और जीजी में वैचारिक अंतर होने के कारण 4. जीजी के अंधविश्वासी होने के कारण	1
45	जीजी अधिक देर तक लेखक से गुस्सा क्यों नहीं रह सकी ? 1. लेखक की बात समझ जाने से 2. लेखक को समझाना चाहती थी 3. लेखक से प्रेम करने के कारण 4. लेखक की नासमझी के कारण	1
46	पानी का अर्घ्य चढ़ाने से आप क्या समझते हैं? 1. पानी का दान देना 2. पानी इंद्र भगवान को समर्पित करना 3. पानी का प्रसाद चढ़ाना 4. पानी का महत्त्व बताना	1
प्रश्न	**पाठ्यपुस्तक के पठित पाठों पर आधारित प्रश्न**	**अंक**
प्रश्न	**निम्नलिखित में से किन्ही *05* प्रश्नों के उत्तर के लिए सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए :-**	**5**
47	बाजार को शैतान का जाल क्यों कहा गया है? 1. सब कुछ खरीदने के लालच के कारण 2. मनुष्य की सोच पर कब्जा कर लेने के कारण 3. बाजार के गिरफ्त मे आने के कारण	1

	4. अतृप्त रहने के कारण	
48	किन परिस्थितियों में हमारा मन शिथिल हो जाता है? 'एक गीत' कविता के आधार पर लिखिए 1. उत्साह के अभाव में 2. प्रेरणा के अभाव में 3. लक्ष्य के अभाव में 4. शक्ति के अभाव में	1
49	'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता के माध्यम से कवि ने दृश्य संचार माध्यम के किस स्वरूप को सामने रखा है? 1. संवेदनशील 2. मानवीय 3. असंवेदनशील 4. अमानवीय	1
50	कविता की उड़ान चिड़िया क्यों नहीं जान सकती? 1. सीमित संभावनाओं के कारण 2. सीमित शक्ति के कारण 3. कल्पना शक्ति के अभाव के कारण 4. अपनी सीमित सीमाओं के कारण	1
51	भक्तिन पाठ के आधार पर पंचायतों की क्या तस्वीर उभरती है? 1. पंचायतें गूंगी, लाचार और अयोग्य हैं 2. वे सही न्याय नहीं कर पातीं 3. वे दूध का दूध और पानी का पानी करती हैं 4. वे अपने स्वार्थों को पूरा करती हैं	1
52	कैमरे में बंद अपाहिज कविता के आधार पर कार्यक्रम बनाने वाले उसकी सफलता का आधार किसे मानते हैं 1. दर्शकों के सामने अधिक से अधिक सही तथ्यों का उचित विश्लेषण करने से 2. अधिक से अधिक दर्शकों को अपना कार्यक्रम दिखाकर उसकी टी आर पी बढ़ाने से 3. दर्शकों की भावनाओं को किसी भी हाल में उत्तेजित करने से 4. ऐसे तथ्यों को उजाकर करने से जो जनता से छिपाये गए हैं या जिनसे वो अनजान है	1
प्रश्न	अनुपूरक पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित प्रश्न	अंक
प्रश्न	**निम्नलिखित में से किन्ही *05* प्रश्नों के उत्तर के लिए सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए :-**	**5**
53	कहानी 'सिल्वर वेडिंग' में किशनदा की मृत्यु के संदर्भ में 'जो हुआ होगा 'से कहानीकार का क्या तात्पर्य रहा है? 1. लेखक मृत्यु से बहुत दुखी है 2. लेखक को मृत्यु का कारण पता है 3. लेखक मृत्यु के कारण से अपरिचित है 4. लेखक को मृत्यु से कोई अंतर नहीं पड़ता है	1
54	किशन दा के रिटायर होने पर यशोधर बाबू उनकी सहायता नहीं कर पाये थे क्योंकि – 1. यशोधर बाबू की पत्नी किशन दा से नाराज थी 2. यशोधर बाबू के घर में किशनदा के लिए स्थान का अभाव था 3. यशोधर बाबू अपने परिवार को नाराज नहीं करना चाहते थे 4. यशोधर बाबू के प्रस्ताव को किशनदा ने अस्वीकार कर दिया था	1

55	“जूझ” पाठ के अनुसार कविता के प्रति लगाव से पहले और उसके बाद अकेलेपन के प्रति लेखक की धारणा में क्या बदलाव आया? 1. अकेलापन डरावना है 2. अकेलापन उपयोगी है 3. अकेलापन अनावश्यक है 4. अकेलापन सामान्य प्रक्रिया है	1
56	“जूझ”पाठ के अनुसार – पढ़ाई- लिखाई के संबंध में लेखक और दत्ता जी राव का रवैया सही था ” क्योंकि 1. लेखक खेती बाड़ी नहीं करना चाहता था 2. दत्ता जी राव जानते थे की खेती बड़ी में लाभ नहीं हैं 3. लेखक का पढ़ – लिख कर सफल होना बहुत आवश्यक था 4. लेखक का पिता नहीं चाहता था की वह आगे की पढ़ाई करे	1
57	कहानी ‘सिल्वर वैडिंग’ के अनुसार –“यशोधर बाबू की पत्नी समय के साथ ढल सकने में सफल होतीं हैं लेकिन यशोधर बाबू असफल रहते हैं ”- यशोधर बाबू की असफलता का क्या कारण था? 1. किशनदा उन्हें भड़काते थे 2. पत्नी बच्चों से अधिक प्रेम करती थी 3. पीढ़ी के अंतराल के कारण 4. वे परिवर्तन को सहजता से स्वीकार नहीं कर पाते थे	1
58	“जूझ' कहानी से लेखक की किस प्रवृत्ति का उद्‌घाटन हुआ है? 1 . ज्ञानपूर्णता 2 . हठधर्मिता 3 . कुटिलता 4 . संघर्षमयता	1